**Nai Dunia (Indore), 18th November 2021, Page-03**

# आइआइटी और आइआइएम इंदौर देंगे स्टार्टअप को गति, संवारेंगे युवा पीढ़ी का भविष्य

**गजेंद्र विश्वकर्मा • इंदौर**

कोरोना महामारी ने शहर के स्टार्टअप की हालत खराब कर दी थी। ढाई वर्ष पहले आइटी, फूड सर्विसेस और कई अन्य तरह के करीब 250 स्टार्टअप संचालित हो रहे थे। इनमें से महामारी के दौरान करीब 100 बंद हो गए हैं और 150 में से 100 ऐसे स्टार्टअप है, जिन्हें फंडिंग के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर में ऐसे भी स्टार्टअप हैं, जिन्हें कालेज से पासआउट युवा चला रहे हैं और खुद लाखों रुपये लगा चुके हैं। इन स्टार्टअप की स्थिति बेहतर करने के लिए शहर के दोनों बड़े संस्थान आइआइटी और आइआइएम के साथ अन्य संस्थान भी जुट गए हैं। आइआइटी इंदौर में करीब 18 स्टार्टअप संचालित हो रहे हैं। आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन का कहना है कि हम आइआइटी के विद्यार्थियों के साथ ही बाहर के स्टार्टअप को भी सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। एमएसएमई, फिक्की फ्लो व कई संस्थानों से समझौता भी कर रखा है। इंदौर के स्टार्टअप को भी मदद कर रहे हैं। आइआइएम इंदौर ने 2017 में इंक्यूबेशन केंद्र शुरू किया था। इसमें अनुभवी प्राध्यापाक युवाओं को स्टार्टअप की योजना, मार्केटिंग, ब्रांडिंग और फंडिंग प्राप्त करने के लिए अपनाए जाने वाले रास्ते बताते हैं। आइआइएम विशेष तौर पर स्टार्टअप को गति देने के लिए हर वर्ष मध्य भारत का सबसे बड़ा आइ-5 समिट कराता है।

आइआइटी इंदौर की इस बिल्डिंग में है इंक्यूबेशन केंद्र। • सौजन्य संस्थान

## बेहतर आइडिया वाले स्टार्टअप की जानकारी निवेशकों तक पहुंचा रहे

हेडस्टार्ट कम्युनिटी अपने दुनियाभर के नेटवर्क का उपयोग करके इंदौर के बेहतर आइडिया वाले स्टार्टअप की जानकारी निवेशकों तक पहुंचा रही है। स्टार्टअप से जुड़ी जानकारी निशुल्क उपलब्ध करा रहे हैं। हेडस्टार्ट इंदौर के समन्वयक मुदित ठक्कर का कहना है कि शिक्षा, मेडिकल, ट्रांसपोर्ट, लाजिस्टिक, लांड्री और रोजमर्रा में काम आने वाली सामग्री को आनलाइन माध्यम से घर तक पहुंचाने और अन्य तरह के यूनिक आइडिया पर काम करने वाले कई स्टार्टअप हैं। यह इस तरह के व्यापार हैं, जिनमें कांफी रुपयों की जरूरत है लेकिन महामारी के बाद निवेशकों ने अपने हाथ खींच लिए हैं। इसलिए युवाओं की स्थिति खराब हो गई है। इन्हें फिर से बेहतर स्थिति में लाने के लिए हम लगातार कोशिश कर रहे हैं।

### निवेशकों से मिलवा रहे

इंदौर आंत्रप्रेन्यार नेटवर्क के संचालक अतुल एन. भारत का कहना है कि प्रायः यह देखने को मिलता है कि बड़े विजन के बिना युवा स्टार्टअप शुरू कर देते हैं, लेकिन जब बीच में किसी तरह की चुनौती आती है तो व्यापार बंद करने में भी समय नहीं लगता। जबकि होना यह चाहिए कि युवाओं को अगले चार से पांच साल बाद का विजन ध्यान रखना चाहिए और बाजार की अगले वर्षों के लिए रणनीति बनाकर रखनी चाहिए। कोई भी निवेशक पैसा तब देगा, जब युवाओं को खुद उस पर विश्वास हो और खुद पैसा लगा सकें। युवाओं को प्लानिंग और चुनौतियों का सामना करने के लिए हम तैयार कर रहे हैं। इंदौर के स्टार्टअप की कमजोरियों को सुधारकर हम उन्हें देश के बड़े निवेशकों से मिलवा रहे हैं।

### इंक्यूबेशन केंद्र भी तैयार

स्टार्टअप को गति देने के लिए इंदौर में कई बड़े इंक्यूबेशन केंद्र स्थापित हो चुके हैं। आइआइटी इंदौर, आइआइएम इंदौर, एसजीएसआइटीएस, देवी अहिल्या विवि के इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (आइइटी) के भी इंक्यूबेशन केंद्र स्थापित हो चुके हैं।

**स्मार्ट सिटी कंपनी का इंक्यूबेशन केंद्र स्थापित :** स्मार्ट सिटी कंपनी ने भी तीन करोड़ रुपये की लागत से इंक्यूबेशन केंद्र स्थापित किया है। इसके लिए कंपनी ने आइआइएम अहमदाबाद के सेंटर फॉर इनोवेशन, इंक्यूबेशन एंड एंट्रप्रेन्योरशिप से समझौता कर रखा है। इन सभी केंद्रों पर स्टार्टअप संचालित करने वाले युवा पंजीयन करा सकते हैं।